राजस्थान में बड़ी तथा छोटी रेल लाइनों का बिछाया जाना

232. **डा० अबरार अहमद :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) गत वर्ष के दौरान राजस्थान मे कितनी बडी रेल लाइने तथा कितनी छोटी रेल लाइने बिछायी गई और इसी अवधि के दौरान कितने प्लेटफार्म तथा पुलों का निर्माण किया गया और इस संबंध में राजस्थान के लिए भविष्य की क्या योजना है ;

(ख) क्या राजस्थान मे नदी के ऊपर भी किसी पुल के निर्माण का प्रस्ताव है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, और

(ग) क्या राजस्थान मे कोई नई ट्रेन प्रारम्भ किये जाने अथवा यहां से होकर गुजरने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त चरण दास) : (क) और (ख) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

(ग) अतिरिक्त गाडिया चलाना एक सतत प्रक्रिया है बशर्ते परिचालनिक व्यावहारिकता, संसाधनों की उपलब्धता और यातायात का औचित्य हो ।

देश में राशन की दुकानें

233. **डा० अबरार अहमद :** क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नवम्बर, 1989 की तुलना मे नवम्बर, 1990 में आवश्यक वस्तुओं का थोक मूल्य सूचकाक कितना था तथा इसमें वृद्धि के क्या कारण रहे है ;

(ख) इन वस्तुओं के मूल्यों पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है ; और

(ग) राशन की दुकानो की राज्य-वार संख्या क्या है तथा इन दुकानों के माध्यम से वितरित की जाने वाली वस्तुओं के नाम क्या है और इन दुकानों के माध्यम से प्रति माह बेची जाने वाली वस्तुओ की राज्यवार संख्या क्या है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सरवर हुसैन) : (क) एक विवरण दिया गया है, जिसमे नवम्बर 1989 और नवम्बर, 1990 मे चुनी आवश्यक वस्तुओ के थोक मूल्य सूचकाक और अवधियों के बीच प्रतिशत उतार-चढ़ाव दिखाया गया है । **(नीचे देखिए)** ।

उक्त अवधि के दौरान आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों मे वृद्धि निम्नलिखित कारणों से हुई जैसे :—

(1) तिलहनों तथा दालों जैसी कुछ मदों के उत्पादन मे कमी आना ।

(2) धान, गेहू, दालों तिलहनों आदि जैसी मदों की खरीफ तथा रबी दोनों फसलों के न्यूनतम वसूली/समर्थन मूल्यों में वृद्धि करना ।

(3) पेट्रोलियम उत्पादों मे पहले 1990-91 के बजट मे तथा बाद मे 14-10-90 को वृद्धि करना ।

(4) 1990-91 के रेल बजट मे रेल भाड़े तथा किरायों मे वृद्धि करना ।

(5) अत्यधिक नकली तथा मुद्रा की आपूर्ति मे वृद्धि, निरन्तर उपभोक्ता माग तथा दालों व खाद्य तेलों जैसी मदो मे मांग व आपूर्ति के बीच अन्तर जैसे अन्य कारणों का संचित प्रभाव ।

(ख) सरकार ने आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों मे वृद्धि के रुख को नियंत्रित करने के काम को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रखी है । इस उद्देश्य के लिए दीर्घ-कालिक तथा अल्पकालिक दोनो उपाय किए जा रहे हैं । किए गए उपायों मे मोटे तौर पर ये कदम शामिल हैं— आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि करना, खाद्यान्नों की वसूली तथा उनका सुरक्षित भंडार बनाने का कार्य करना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने, आवश्यक वस्तु अधिनियम के उपबंधों तथा अन्य नियामक उपायों को